गुरूर ख़ाक हो जाएगा

नरेंद्र सोनकर

गुरूर ख़ाक हो जाएगा
मग़रूर ख़ाक हो जाएगा
अपने पाप-कर्मों से ही
असुर ख़ाक हो जाएगा
खाया एक गच्चा जो तो
सुरूर ख़ाक हो जाएगा
फुला ग़र जो गुब्बारे-सा
ससुर ख़ाक हो जाएगा
ख़ुद-ब-ख़ुद आताताई
हुज़ूर ख़ाक हो जाएगा
अडिग रहना सच्चाई पे
क़सूर ख़ाक हो जाएगा
ख़ालिस प्रेम-मरहम से
नासूर ख़ाक हो जाएगा
सोनकर देख बब्बर शेर
कुकुर ख़ाक हो जाएगा

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दी मैं आभारी हूँ

मानवता का पाठ पढ़ाकर
जीवन क्या है दिखलाया
क,ख,ग,घ और ककहरा
तूने मुझको सिखलाया
आज बना बलबूते तेरे
अध्यापक सरकारी हूँ
हिन्दी मैं आभारी हूँ

हिन्दी मैं आभारी हूँ...

निरक्षर से साक्षर बनाकर
जग में मेरा मान बढ़ाया
दया-धर्म,सद्भाव,प्रेम का
तूने मुझको पाठ पढ़ाया
आज बना बलबूते तेरे
भाषा का अधिकारी हूँ
हिन्दी मैं आभारी हूँ

हिन्दी मैं आभारी हूँ...

निराला,वर्मा,प्रसाद और
दिनकर,पंत,सुभद्रा देवी
कितने नाम गिनाऊं रे
हैं इतने असंख्य सेवी
वंशज हूँ मैं संत कबीर का
और तेरा दरबारी हूँ

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दी में आभारी हूँ

हिन्दी में आभारी हूँ...

लिख्खा,पढ़ा,कहा,सुना
रोया-धोया,चीखा खूब
आंचल में तेरे सवंरकर
पला,बढ़ा मैं सीखा खूब
तूं है मेरी प्राण-प्रतिष्ठा
मैं तेरा कर्मचारी हूँ
हिन्दी मैं आभारी हूँ
हिन्दी में आभारी हूँ...

चित्रकार:- कु.अनामिका सिंह
उम्र-12 वर्ष
सी-09 स्टार होम्स,रोहितनगर फेस-2 भोपाल-39

Scanned with OKEN Scanner